विकास-यात्रा

\

भौतिक आयाम

\

आध्यात्मिक आयाम

\

अकादमिक आयाम

भौतिक आयाम

क्रमिक विकास-यात्रा

भवन

2010– पूर्ववत्

2011– प्रथम तल पर पुस्तकालय–

वाचनालय लगभग5000वर्गफीट

2012– द्वितीय तल पर प्रथम

खण्ड–10,000 वर्गफीट

2013– द्वितीय तल पर द्वितीय

खण्ड–7000 वर्गफीट

2014–2015

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम-छात्रावास एवं प्राचार्य/अभिरक्षक आवास का निर्माण एवं लोकार्पण

लगभग–15800 वर्गफीट

प्रयोगशाला

2010– सभी प्रयोगशालाएँ अद्यतन संसाधनों से युक्त।

2011– कम्प्यूटर, इलेक्ट्रानिक्स, सांख्यिकी, मनोविज्ञान, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन की प्रयोगशालाओं की स्थापना।

2012– नवीन स्थापित प्रयोगशालाओं का द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमानुसार विस्तार।

2013– नवीन स्थापित प्रयोगशालाओं का तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रमानुसार विस्तार।

2014– समस्त प्रयोगशालाओं की समीक्षा एवं पुनः उन्हें पाठ्यक्रमानुसार अद्यतन संसाधनों–उपकरणों से युक्त किया गया।

पुस्तकालय

2010– क्षे. 1000 वर्गफीट वर्गीकरण प्रक्रिया (कैटलागिंग) से युक्त

2011– क्षे. 3500 वर्गफीट कम्प्यूटरीकृत

2012– साफ्टवेयर युक्त

2013–क्षे. 5000 वर्गफीट इन्टरनेट सुविधा एवं पुस्तकालय ऑन लाइन

पुस्तकालय

2014–इन्टरनेट सुविधा का विस्तार Soul software एवं N-List युक्त

2015–पुस्तकालय को अद्यतन Soul साफ्टवेयर पर विकसित करना एवं पुस्तकालय में पुस्तकों की साफ्ट कापी उपलब्ध कराना

कुल पुस्तकें–12690

प्रोजक्टर युक्त कक्षाएँ

2010– 01 स्लाइड प्रोजक्टर, 01 ओवरहेड प्रोजक्टर

2011– 01 एल.सी.डी. प्रोजक्टर

2012– 01 व्याख्यान कक्ष में सीलिंग प्रोजक्टर

2013– 02 अन्य व्याख्यान कक्षों में सिलिंग प्रोजक्टर

2014– 02 अन्य व्याख्यान कक्षों में सिलिंग प्रोजक्टर

2015– कुल 08 व्याख्यान कक्ष प्रोजक्टर युक्त, 01 एल.सी.डी., 01 ओवरहेड, 01 स्लाइड प्रोजक्टर, 21 लैपटॉप उपलब्ध।

सभागार

700 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था (कुर्सी) एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र (माइक) युक्त, श्रीराम सभागार।

50 व्यक्तियों के लिए गोल–मेज व्यवस्था हेतु मीराबाई सभागार।

150 व्यक्तियों के कार्यक्रम हेतु बैठने की व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्र (माइक) युक्त स्वामी विवेकानन्द सभागार।

अध्ययन-अध्यापन कक्ष

अध्ययन–अध्यापन कक्ष– फर्निचर, लेक्चर स्टैण्ड, ग्रीन बोर्ड सहित 24 सुसज्जित अध्ययन–अध्यापन कक्ष।

2013– 2 कक्ष फिक्स फर्निचर युक्त

2014– 2 अन्य कक्ष फिक्स फर्निचर युक्त

छात्रा कक्ष– छात्राओं के बैठने–अध्ययन आदि के लिए शौचालय बाथरूम, एक बेड युक्त सुव्यवस्थित कक्ष

अतिथि कक्ष– प्रथम तल पर दो बेड का शौचालय–स्नानगृह युक्त विश्राम हेतु सुव्यवस्थित अतिथि कक्ष एवं भू–तल पर अतिथियों के स्वागत सम्मान हेतु प्रबन्धक/ अतिथि कक्ष उपलब्ध।

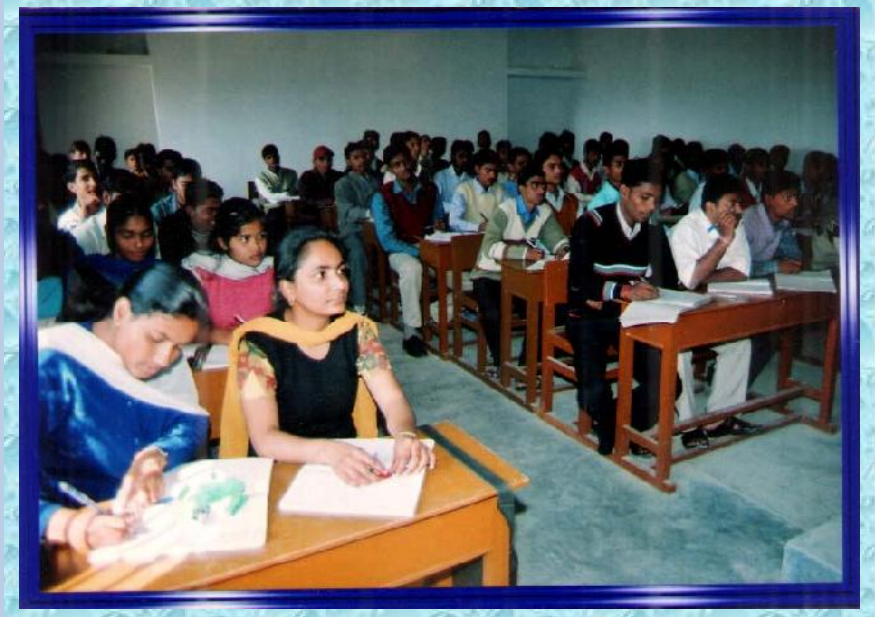

शोध एवं अध्ययन केन्द्र

महाविद्यालय में शोध संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु शोध एवं अध्ययन केन्द्र विकसित किया गया है। इस केन्द्र में सभी शोधार्थी, शिक्षकों के लिए बैठने की सुविधा, आलमारी, कम्प्यूटर, प्रिन्टर, इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध है।

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई केन्द्र

प्रारम्भ 13 अक्टूबर 2010

व्यायामशाला/योग केन्द्र–

सांस्कृतिक कार्यक्रम कक्ष

क्रीड़ा मैदान

साईकिल स्टैण्ड

कैन्टीन

ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

स्वागत कक्ष

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

ग्रामीण मरीजों का उपचार		
अक्टूबर	–	164
नवम्बर	–	500
दिसम्बर	–	208
जनवरी	–	292
फरवरी	–	522
मार्च	–	435
अप्रैल	–	325
मई	–	165
जुलाई	–	554
अगस्त	–	466
सितम्बर	–	265

आध्यात्मिक आयाम

राष्ट्र पूजा

देव उपासना

स्वच्छता

प्रकृति पूजा

आध्यात्मिक आयाम - देव पूजा

- प्रातः 8.30 बजे से परिसर में ध्वनि विस्तारक यंत्र द्वारा भजन–प्रार्थना प्रारम्भ
- 9.25 बजे प्रार्थना सभा, **राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत** के साथ शिक्षा की अधिष्ठात्री देवी **माँ सरस्वती** की आराधना एवं **ईश–प्रार्थना**।
- **श्रीमद्भगवतगीता** के पाँच श्लोक का वाचन।
- सभी कार्यक्रमों/आयोजनों का प्रारम्भ माँ सरस्वती की अराधना के साथ किया जाता है।
- प्रतिवर्ष ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा–अर्चना विधि–विधान पूर्वक **वसन्त पंचमी** की तिथि पर महाविद्यालय द्वारा उल्लासपूर्वक आयोजित होता है।

राष्ट्र-पूजा

- प्रातः प्रार्थना सभा का प्रारम्भ भारत माता की उपासना **राष्ट्रगान–राष्ट्रगीत** के साथ।
- भारतीय संस्कृति का प्रतीक **भगवाध्वज** महाविद्यालय के मुख्य ध्वजपोल पर तथा मुख्य द्वारों पर निरन्तर फहरता रहता है।
- भारतीय संस्कृति के प्रतीक अवतारी महापुरुषों, सन्त–महात्माओं, राष्ट्रभक्त सेनानियों, वैज्ञानिकों, दार्शनिकों इत्यादि की जयन्ती, पुण्य तिथि पर प्रार्थना सभा में उनका पावन–स्मरण एवं उन्हें **श्रद्धा–सुमन** का अर्पण।
- भारत माता के उपासक अवतारी महापुरुषों, सन्त–महात्माओं, राष्ट्रभक्त सेनानियों, वैज्ञानिकों, दार्शनिकों इत्यादि के नाम पर **व्याख्यान कक्षों का नामकरण**।
- प्रत्येक कार्यक्रम का समारोप राष्ट्रगीत से करने की परम्परा।
- **15** अगस्त, **2** अक्टूबर, **26** जनवरी को उल्लासपूर्वक ध्वजारोहण (राष्ट्रध्वज) के साथ राष्ट्रभक्ति से ओत–प्रोत कार्यक्रम विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किया जाना भारत माता के चरणों में समर्पित पुष्प ही है।
- **भारत विभाजन** की पूर्व संध्या पर प्रतिवर्ष व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति का भाव सृजित करने का प्रयास।

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान

स्वच्छता

स्वच्छता उपासना का ही प्रतीक है। स्वच्छ स्थान पर ही देव–वास होता है। इसी अवधारणा से ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती का वास–स्थल महाविद्यालय परिसर प्रतिदिन पूर्णतः स्वच्छ रखा जाता है। साफ–सफाई महाविद्यालय की **पहली प्राथमिकता** है। महाविद्यालय भवन–परिसर का क्षेत्र सभी कर्मचारियों के जिम्मे परिभाषित है। **प्रतिदिन प्रातः 8.30 से 9.25** बजे तक एवं **3.00 से 4.30 बजे** तक कर्मचारी अपने–अपने क्षेत्र में झाड़ू–पोछा लगा लेते हैं। सम्बन्धित **प्रभारी** इसकी प्रतिदिन सुबह–शाम निगरानी भी करता है।

प्रकृति उपासना

महाविद्यालय का पूरा परिसर **पेड़–पौधों से ढकता** जा रहा है। विलुप्त प्राय पौधों का संरक्षण प्रयत्न पूर्वक किया जाता है। यह प्रयास से ही हो रहा है। **प्रकृति भी ईश्वर का ही एक सुन्दर रुप है।** तुलसी, पीपल, वट, पाकड़, नीम, कदम्ब, गुलर, आम, आँवला जैसे देववासी पेड़–पौधों के योजनाबद्ध रोपड़–विकास के साथ–साथ बड़ी संख्या में लगाए गये अन्य सभी फूल के पौधों तथा वृक्षों के प्रति महाविद्यालय परिवार का भाव उपासना का ही है। सभी पेड़–पौधों, फूल–पत्तियों में ईश्वर का दर्शन हो सकता है, इस भाव के विकास का सदैव प्रयास रहता है।